Important Questions Class 10 Hindi – B Bade Bhai Sahab Chapter 8

Answers at the Bottom

बड़े भाई साहब (प्रेमचंद)

1. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे ?
2. बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे ?
3. 'सिर पर नंगी तलवार लटकना' का सही अर्थ क्या हो सकता है ?- मृत्यु का भय होना या खूब खरी खोटी सुनाना।
4. पाठ में बड़े भाई की छवि कैसी है?
5. लेखक द्वारा समय-सारिणी क्यों बनाई गई ?
6. लेखक का मन पढ़ाई में न लगकर किन कार्यों में लगता था?
7. एक परिवार में बड़े भाई या बहन का अपने छोटे भाई-बहनों के साथ कैसा व्यवहार होता है?
8. शिक्षा को लेकर बड़े भाई साहब का क्या मत था?
9. क्या पाठ में बड़े भाई का बचपन जिम्मेदारियों तले दबकर गायब हो गया है?
10. इस पाठ के माध्यम से हमारी शिक्षा पद्धति की कौन सी कमी उजागर हुई है ?

बड़े भाई साहब (प्रेमचंद)
(आदर्श उत्तर)

---

1. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल पूछते थे, 'कहाँ थे?'
2. बड़े भाई साहब लेखक से उम्र में पाँच वर्ष बड़े थे।
3. मृत्यु का भय होना।
4. बड़े भाई साहब एक ज़िम्मेदार,गंभीर और फिक्रमंद बड़े भाई के समान आदर्श स्थिति में थे।
5. पढ़ाई के लिए समय के सही पालन के उद्देश्य से लेखक ने समय- सारिणी बनाई। उसने टाइम टेबल बनाते समय हर विषय को उपयुक्त समय देने की योजना बनाई ।उसने सोचा कि वह पढ़ाई के प्रति गंभीर हो जाएगा।
6. लेखक का मन पढ़ाई में न लगकर मनोरंजन और खेल-कूद में लगता था। उसकी रूचि कंकरियाँ उछालने गुल्लीडंडा खेलने तथा पतंगबाज़ी में थी।
7. बड़े भाई-बहन अपने छोटे भाई-बहनों के प्रति ज़्यादा ज़िम्मेदार, स्नेही और संरक्षकीय प्रवृत्ति के होते हैं। (छात्र का मत स्वीकार्य होगा)
8. बड़े भाई साहब ने ज़िन्दगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्त्वपूर्ण बताया है। उनके अनुसार जीवन की समझ अनुभव से आती है किताबी ज्ञान से नहीं।
9. लेखक के बड़े भाई उम्र में उनसे ज़्यादा बड़े नहीं थे | फिर भी एक बड़े भाई की जिम्मेदारियों को जानते थे। यही कारण था कि वे अपने छोटे भाई को हमेशा डाँटते रहते थे। इन सबमें वे अपना बचपन भूल गए थे। बड़े भाई साहब ऐसा कोई काम नहीं करना चाहते थे जिससे छोटे भाई को गलत सीख मिले। वे अपने छोटे भाई के लिए सही व्यवहार की मिसाल रखना चाहते थे। छोटे भाई के अभिभावक बनते-बनते उनका अपना बचपन कहीं खो गया था।(छात्र कुछ और पंक्तियाँ जोड़ेंगे)
10. इस पाठ में बताया गया है कि आधुनिक शिक्षा सिर्फ रटना सिखाती है। भाई साहब के दृष्टिकोण से समूची शिक्षा प्रणाली बुद्धि व कौशल को ठीक से आँक नहीं पाती। इस शिक्षा प्रणाली में जीवन के अनुभव से जुड़ी भविष्य में काम आनेवाली व्यावहारिक शिक्षा की जानकारी नहीं दी जाती। इसमें कहीं न कहीं मौलिक विचारों को दबाया जाता है ।कुछ बातें जानना जरुरी है,लेकिन क्यों जरुरी है यह बात छात्रों को नहीं बताई जाती है। शिक्षा पद्धति में बदलाव की आवश्यकता है। (छात्र कुछ और पंक्तियाँ जोड़ेंगे)

https://www.evidyarthi.in